

is that certainly the attention of the Minister should be drawn to this. It is also particularly expected that if hon. Member, Shri Pachouri has written a letter, I think, it is only fair that he should get a reply rather immediately or at least as early as possible. I think a number of questions have arisen and please ensure that the feelings are conveyed to the Minister so that action is taken immediately.

### Miserable Condition of Weavers in Bihar

**श्री जलालुदीन अंसारी (बिहार) :** उपसभाध्यक्ष महोदय, आप तौर पर पूरे देश में हथकरघा उद्योग में काम करने वाले बुनकरों की हालत अच्छी नहीं है लेकिन मैं खासकर के बिहार में हथकरघा बुनकरों की जो स्थिति काफी खराब है, उसकी ओर सदन का और सदन के माध्यम से केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, बिहार में बड़े पैमाने पर जो करघा चलाने वाले लोग थे, उनके करघे बंद हैं, जिसके कारण वे बेरोजगारी की स्थिति में हैं और बेरोजगार होने के कारण वे भुखमरी की हालत में हैं। इसका एक और पहला कारण है कि उनको जो सूत मुहैया किया जाता था उसमें ऐसी हेरा-फेरी चलती है कि कागज पर ही सूत की खरीद हो जाती है, कपड़ा बना दिया जाता है और कपड़े की बिक्री हो जाती है। इससे आप स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं कि उन गरीब बुनकरों की स्थिति क्या है। उनको सूत मिलता ही नहीं है। इसलिए आज बिहार में हथकरघा उद्योग मरने की हालत में है। आज उसको जीवित रखने का सबाल है।

महोदय, संयुक्त मोर्चे की सरकार ने ऐलान किया है कि यह सरकार समाज के कमज़ोर तबके के लोगों की स्थिति में सुधार के लिए और उनकी खुशहाली के लिए काम करेगी। महोदय, ये समाज के कमज़ोर तबके के ही लोग हैं जो बुनकरों के रूप में हथकरघा उद्योग में काम कर रहे हैं। इनमें सिर्फ एक ही वर्ग के लोग नहीं हैं, सभी वर्गों के लोग हैं।

महोदय, इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सरकार को जो कदम उठाने चाहिए वे नहीं उठाए जा रहे हैं। इसको आप इसी से समझ सकते हैं कि जब सूत ही उनको मुहैया नहीं कराया जाता है तो वे कहां से कपड़ा बनाएंगे? वे कपड़ा बुनकर आज अपने बाल-बच्चों का पालन-पोषण करने की स्थिति में नहीं हैं। हम आशा

करते हैं कि संयुक्त मोर्चे की सरकार इस ओर ध्यान देगी और इनका जीवन-स्तर ऊपर उठाने के लिए काम करेगी।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि हथकरघा उद्योग में काम करने वाले बुनकरों की दयनीय स्थिति को देखने के लिए केंद्रीय सरकार एक टीम बहां भेजे। उन बुनकरों की सही स्थिति क्या है, वे किस स्थिति में हैं, इसकी जांच वह टीम करे और वह राज्य सरकार से भी बात करे और एक रिपोर्ट बनाए, जिसके आधार पर हथकरघा उद्योग खड़ा करने और उसका विकास करने तथा इस उद्योग में काम करने वाले बुनकरों के जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक कदम सरकार उठाए।

महोदय, मेरी दूसरी मांग यह है कि केंद्रीय सरकार राज्य सरकार से बात करे और बुनकरों को सूत मुहैया कराए और इस बात की गारंटी करे कि हथकरघा उद्योग के जो बुनकर हैं, उनको नियमित रूप से सूत मुहैया कराया जाएगा।

महोदय, सरकार ने यह ऐलान भी किया था कि बुनकरों के कर्जे की माफी होगी लेकिन यह दुःख की बात है कि उनके कर्जे की माफी अभी तक नहीं हुई है। इसलिए मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूँ कि उनका कर्ज माफ किया जाएगा एक और चीज मैं आपके सामने रखना चाहता हूँ कि आप तौर पर आज लोग पुराने डिजाइन के कपड़े पहनना पसंद नहीं करते हैं। इसलिए हथकरघा उद्योग में जो काम करने वाले बुनकर हैं, उनके लिए डिजाइनिंग और रंगाई सिखाने वाले प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएं ताकि वे अच्छे किस्म के कपड़े बना सकें और बाजार में उनको बेच सकें। जब उनकी मांग बढ़ी, तभी यह उद्योग विकसित हो सकता है और आगे बढ़ सकता है।

महोदय, अंतिम बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि ये बुनकर लोग बहुत गरीब हैं और इनके पास रहने के लिए घर तक नहीं हैं। तो मेरी मांग है कि गांवों और कस्बों में बुनकरों के लिए शेड बनाए जाएं, जिससे वे लोग इस उद्योग को बहां चला सकें और काम कर सकें। मैं आशा करता हूँ कि केंद्रीय सरकार बिहार में बुनकरों की दयनीय स्थिति में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठायागी। धन्यवाद।

**मौलाना हबीबुर्रहमान नोमानी (नाम निर्देशित) :** अंसारी साहब ने जो मसला उठाया है उससे सम्बद्ध करते हुए मैं इस बात को कहना चाहता हूँ कि वैसे तो पूरे मुल्क में बुनकरों की हालत दयनीय है लेकिन खास तौर से बिहार में हालत ज्यादा खराब है। बड़े-बड़े इलाके जो बुनकरों के इलाके थे आज वहां बुनाई के नाम पर कोई काम हो ही

नहीं रहा है और वह लोग भुखमरी का शिकार हैं। बिहार के अंदर ज्यादा नहीं है, तक रीबन ढाई-तीन करोड़ रुपया है। इसकी तरफ तबोज्जह दी जाए तथा इससे उनको छूटकारा दिलाया जाए। एक और मसला मैं इसके सिलसिले में कहना चाहता हूँ (व्यवधान) बिहार में भी पावरलूम बुनकर है, उत्तर प्रदेश में भी है। उनको जो बिजली दी जाती है तथा जो बिजली के मीटर हैं उसमें बहुत बड़ी हेराफेरी और बैंडमानी होती है। जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं उनके पास अनाप-सनाप बिजली का बिल आता है। अगर पांच सौ रुपये का बिल है तो पांच हजार का भेज दिया। हजार रुपया रिश्वत लेकर को फिर उसको पांच सौ रुपए का कर दिया। इन सब चीजों को बंद करने के लिए ज़रूरत है कि जिस तरह से सिंचाई के लिए दूरबैल पर किसान के बिजली के मीटर लगाते थे और वह हटा दिए गए तो इसी तरह से बुनकरों के भी मीटर हटा दिए जाएं। इससे भ्रष्टाचार भी खत्म होगा और बिजली महकमे की आमदनी भी बढ़ेगी। इसलिए मैं चाहता हूँ। इसकी तरफ हमारे संसदीय कार्य मंत्री खास ध्यान दें और इस मसले को हल करने की कोशिश करें और मीटर जो एक लानत बन गया है, इसको खत्म करें, ताकि यह भ्रष्टाचार भी कम हो और आय भी बढ़े।

عمرنا جیب الرحمن نہیں: انعامی صاحب  
نے جو مسئلہ اعتماد یا چھوپ اس سے وابستہ کرتے ہوئے  
میں اس بات کو کہنا چاہتا ہوں کہ ویسے تو  
پورے ملک میں بینکروں کی حالت قابلِ رحم  
بھی لیکن خاص ہمروں سے بہار میں حالت ندادہ  
خراب ہے۔ بڑے بڑے علاقے جو بینکوں کے علاقے  
تھے اج وہاں بننے کے نام پر کوئی کام ہو جی بھی نہیں رہا  
ہے اور وہ لوگ جعلمی کالائیکٹک اسٹیشن ہوئے ہیں۔  
بہادر کے اندر رہ بادہ نہیں ہے تقریباً ڈھانی  
شیخ زادہ وہی ہے۔ اصلی طرف توجہ دری جائے

اور اس سعیِ الکوچنگارو ہے ملکیاتی ایک  
اور مسئلہ میں اسکے سلسلے میں کہنا چاہتا  
ہو۔ "میرا خلقت"۔ بہار میں بھی یہ ور  
دوم بکریوں اتر پردش میں بھی یہ ملکیت  
بھلکی جاتی ہے اور جو بھلکی کے میرے  
اور اسیں بہت بڑی صورت پہنچی اور بے ایمان  
ہوتی ہے۔ جو لوگ ایمانداری سے کام کر رہے  
انہیں اس (نایاب) شناپ بھی کاابل احتیا ہے  
اگر یا نج سو روپیہ کاابل ہے تو یا نج نزار کا  
بھی بجدی ہزار روپیہ رہشوٹ لیکر کے بھو  
اسکو یا نج سو روپیہ کا اکثر دیتا۔ ان سب تجزیو  
کو بند کرنے کی ضرورت ہے کہ جس ملک سے  
سینچا کی کیلئے نوب و نول پر کسان کا بھلکی  
کے میرے لگتے ہیں اور وہاں سے صفائی کرے  
تو اسی ملک سے بینکوں کے بھی میرے صفائی کر جائیں  
(اس سے بھر شناپ چار جو ختم ہو گا اور بھلکی  
کی آمدنی بھی بڑھی گی)۔ اس کے لئے میں جانتا  
ہوں کہ اسکی طرف بہار سے سفید یہ کاروبار  
منظری "خاصہ دھیان" ہیں اور اس مسئلہ  
کو حل کرنے کو مشتمل کریں اور میرے حوالے  
حافت بن گیا ہے (اسکو ختم کریں۔ تاکہ فیض  
بھر شناپ چار بھی کم ہو اور آسمانی بھی بڑھے۔)